कानपुर, गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026
वर्ष: 03, अंक: 95, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड अब 'इकोनॉमिक वॉर' पर उतरा अमेरिका...>Pg12 नगर निगम की रेस्क्यू टीम पर हमला ...>Pg03 मूल्य: 2 ₹

टाटा कंसंल्टेंसी सर्विस ऑफिस में 'शोषण-धर्मांतरण' का जाल!

एसआईटी ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया, 'दोस्ती-शादी' के नाम पर फंसाने के गंभीर आरोप

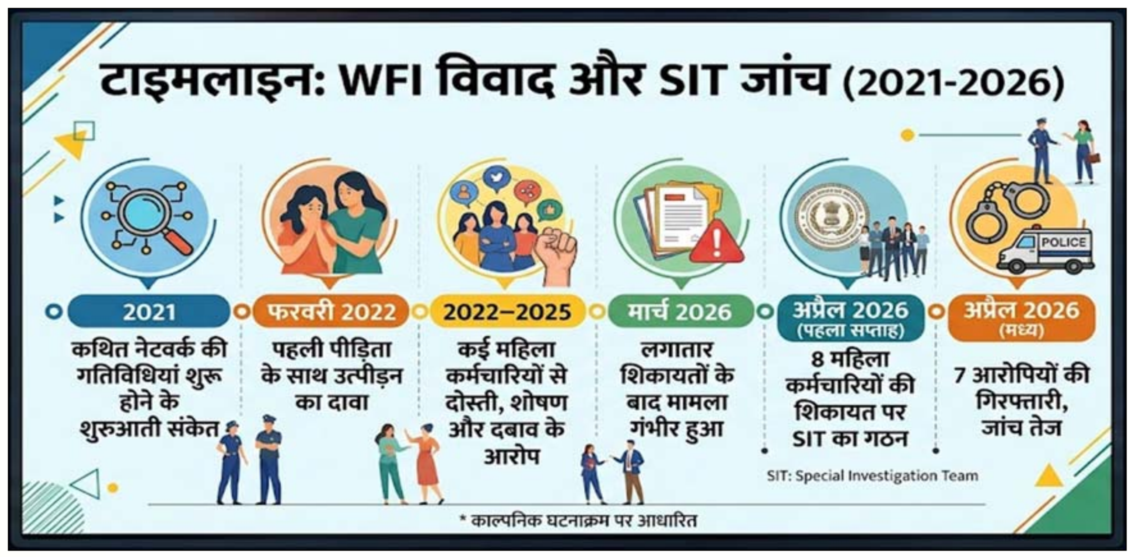

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नासिक। देश की प्रतिष्ठित आईटी कंपनी टाटा कंसंल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के नासिक कार्यालय से सामने आए यौन उत्पीड़न और कथित धर्मांतरण के सनसनीखेज आरोपों ने कॉरपोरेट जगत को झकझोर दिया है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ढ्ढञ्ज) की जांच में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि एक महिला कर्मचारी फरार बताई जा रही है। इस पूरे मामले में नौ अलग-अलग शिकायतों की जांच चल रही है, जिनमें महिला कर्मचारियों को निशाना बनाकर सुनियोजित तरीके से फंसाने और मानसिक-शारीरिक शोषण के गंभीर आरोप सामने आए हैं।

जांच में जो तस्वीर उभर रही है, वह बेहद चौंकाने वाली है। आरोप है कि कुछ कर्मचारी एक संगठित नेटवर्क के तहत काम कर रहे थे, जो खासकर महिला सहकर्मियों से दोस्ती बढ़ाकर उन्हें भावनात्मक जाल में फंसाते थे। इसके बाद शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए जाते और धीरे-धीरे उन्हें धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए दबाव डाला जाता था। एक गवाह के मुताबिक, आरोपियों के बीच 'हिंदू लड़कियों से दोस्ती कर शादी करने' जैसी बातें खुलकर कही जाती थीं, और इसके लिए आर्थिक लेन-देन के संकेत भी मिले हैं।

पीड़िताओं का कहना है कि फरवरी 2022 से मार्च 2026 के बीच उनके साथ लगातार मानसिक और यौन उत्पीड़न हुआ, लेकिन कंपनी स्तर पर शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई न होना, अब कंपनी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहा है। जांच में एचआर विभाग की एक अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिस पर शिकायतों को दबाने और आरोपियों को संरक्षण देने के आरोप हैं। पुलिस के अनुसार, एक आरोपी ने शादी का झांसा देकर एक महिला के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। वहीं अन्य मामलों में अभद्र टिप्पणियां, अनुचित स्पर्श और निजी जीवन पर अश्लील टिप्पणी जैसी शिकायतें सामने आई हैं। हैरानी की बात यह भी है कि एक पुरुष कर्मचारी ने भी धार्मिक दबाव और अपमान का आरोप लगाया है। गिरफ्तार आरोपियों में दानिश शेख, तौसीफ अत्तार, रज़ा मेमन, शाहरुख कुरैशी, शफी शेख, आसिफ अंसारी और मैनेजर निदा खान शामिल हैं। निदा खान को कथित तौर पर 'लेडी कैप्टन' कहा जाता था, जो महिला कर्मचारियों से दोस्ती कर उन्हें धीरे-धीरे प्रभावित करने की भूमिका निभाती थीं। कंपनी ने फिलहाल सभी आरोपियों को निलंबित कर दिया है, लेकिन मामला अब सिर्फ आंतरिक जांच से आगे बढ़कर कानून और सामाजिक बहस का विषय बन चुका है। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल डेटा और आपसी संपर्कों की गहराई से जांच कर रही है। आने वाले दिनों में और चौंकाने वाले खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

- 7 आरोपी गिरफ्तार, 1 महिला कर्मचारी फरार
- 9 शिकायतों में यौन शोषण और धर्मांतरण के आरोप
- 'दोस्ती-शादी' के जरिए महिलाओं को फंसाने का दावा
- एचआर अधिकारी पर शिकायत दबाने के आरोप
- 2021 से चल रहा था कथित नेटवर्क

कॉरपोरेट सुरक्षा पर बड़ा सवाल

इस मामले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बड़े कॉरपोरेट संस्थानों में भी आंतरिक सुरक्षा और शिकायत निवारण तंत्र कई बार नाकाम हो जाता है। यदि एचआर स्तर पर ही शिकायतें दबाई जाती हैं, तो पीड़ितों के पास न्याय के विकल्प सीमित हो जाते हैं।

'इमोशनल मैनिपुलेशन' का खतरनाक पैटर्न

दोस्ती, प्रेम और शादी जैसे भावनात्मक रिश्तों का इस्तेमाल कर शोषण करना एक सोची-समझी रणनीति की ओर इशारा करता है। यह सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक शोषण का गंभीर मामला है।

एचआर की भूमिका, सिस्टम की सबसे कमजोर कड़ी?

एचआर विभाग कर्मचारियों की सुरक्षा का केंद्र होता है। यदि वहीं से लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो पूरी संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है।

डिजिटल सबूत बनेंगे निर्णायक

इस केस में मोबाइल डेटा, चैट, कॉल रिकॉर्ड और डिजिटल ट्रेल सबसे अहम भूमिका निभाएंगे। इससे नेटवर्क की वास्तविकता और आरोपों की सच्चाई सामने आ सकेगी।

धर्मांतरण के आरोप, कानूनी पेंच

धर्म परिवर्तन से जुड़े आरोप बेहद संवेदनशील होते हैं। यदि जबरन या प्रलोभन के तहत धर्म परिवर्तन की पुष्टि होती है, तो यह कई सख्त कानूनी धाराओं के तहत गंभीर अपराध बन सकता है।

पीएम आवास योजना में 205 फ्लैटों के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी, अब 2 मई 2026 तक मौका

जनता की मांग पर केडीए ने बढ़ाई समय-सीमा एचडीएफसी बैंक शाखाओं से मिलेंगे फार्म

» मेयर प्रमिला पांडे ने किया मौके का निरीक्षण

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवेदन करने वाले आवेदकों को बड़ी राहत दी है। प्राधिकरण ने 205 रिक्त फ्लैटों के आवंटन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 02 मई 2026 कर दी है। पहले यह तिथि 17 अप्रैल 2025 निर्धारित थी।

आपको बता दें कि प्रधानमंत्री आवास के आवेदन पत्र लेने के लिए मोतीझील में भारी भीड़ पहुंच रही है . वहां से निकल रही मेयर प्रमिला पांडेय ने मौके पर पहुंचकर जनता की समस्याएं समझी, केडीए अफसर को दिशा निर्देश दिए.उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल एवं सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी/उप जिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि जनता की मांग को देखते हुए आवेदन की समय-सीमा में 15 कार्यदिवस का विस्तार किया गया है, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग योजना का लाभ उठा सकें।प्राधिकरण के अनुसार, आवेदन फार्म एचडीएफसी बैंक की सभी शाखाओं से प्राप्त किए जा सकते हैं और वहीं जमा भी किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त मोतीझील परिसर में भी आवेदन फार्म जमा करने की व्यवस्था की गई है, हालांकि यहां फार्म का वितरण नहीं किया जाएगा।केडीए ने इच्छुक आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर योजना का लाभ उठाएं।

केडीए: अवैध प्लॉटिंग पर सानिगवां क्षेत्र में चला बुलडोजर

» प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने पुलिस बल के साथ की कार्रवाई, आगे भी जारी रहेगा अभियान

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रवर्तन जोन-4 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। थाना-चकेरी क्षेत्र के अंतर्गत आराजी संख्या-769, मौजा सानिगवां, कानपुर नगर में अवैध रूप से की जा रही प्लॉटिंग/कब्जे के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई प्रभारी अधिकारी (प्रवर्तन जोन-4) के निर्देशन में अवर अभियंता अतल चतुर्वेदी व प्रवर्तन स्टाफ द्वारा विभागीय सुरक्षा बल एवं क्षेत्रीय पुलिस बल के सहयोग से संपन्न कराई गई। मौके पर अवैध रूप से विकसित किए जा रहे प्लॉटिंग क्षेत्र को चिन्हित कर उसे ध्वस्त किया गया।

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह ने बताया कि प्रवर्तन जोन-4 के अंतर्गत अन्य क्षेत्रों में भी अवैध प्लॉटिंग की पहचान की जा चुकी है। उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार भविष्य में भी इसी प्रकार अवैध निर्माण, अनाधिकृत विकास और प्लॉटिंग के खिलाफ सघन अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लॉटिंग न करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुश्किलों में चमकी सफलता

मां की सेवा संग पढ़ाई, प्रगति ने पाए 97.4 प्रतिशत अंक

» बीमारी के दौर में संभाला घर, मेहनत से रचा सफलता का नया इतिहास

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जवाहर नगर की रहने वाली प्रगति शुक्ला ने साबित कर दिया कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, अगर इरादे मजबूत हों तो सफलता जरूर मिलती है। प्राइवेट नौकरी करने वाले मनीष शुक्ला की बड़ी बेटी प्रगति, सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर की दसवीं की छात्रा रही है।

बीते एक साल से उनकी मां शालिनी शुक्ला स्पाइन की गंभीर समस्या से जूझ रही थीं, जिससे उन्हें चलने-फिरने में भी परेशानी होती थी। ऐसे मुश्किल समय में प्रगति ने न केवल अपनी मां की देखभाल की, बल्कि घर की जिम्मेदारियां भी बखूबी निभाईं। इन सबके बीच उसने पढ़ाई से समझौता नहीं किया। पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ परीक्षा की तैयारी की और नतीजा आने पर 97.4 प्रतिशत अंक हासिल कर परिवार का नाम रोशन कर दिया।

बेटी की इस सफलता पर माता-पिता की आंखें खुशी से नम हो गईं। उन्होंने गर्व से कहा कि उनकी दोनों बेटियों ने कभी बेटे की कमी महसूस नहीं होने दी। प्रगति की मेहनत और जिम्मेदारी ने यह साबित कर दिया कि संघर्ष ही सफलता की सबसे मजबूत नींव है।

पनकी गंगागंज में नगर निगम की रेस्क्यू टीम पर हमला

IGRS में शिकायत की कार्रवाई के दौरान बवाल, पनकी थाना में मुकदमा दर्ज

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के पनकी थाना क्षेत्र स्थित गंगागंज इलाके में नगर निगम की कैटल कैचिंग टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। IGRS की शिकायत पर कार्रवाई करने पहुंची टीम के साथ स्थानीय दबंगों ने जमकर मारपीट की और सरकारी कार्य में बाधा डाली। घटना के बाद नगर निगम कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम की टीम आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पहुंची थी। दिन के समय कुत्ते न मिलने के कारण टीम रात में दोबारा कार्रवाई के लिए पहुंची। इसी दौरान इलाके के कुछ दबंगों ने टीम का विरोध शुरू कर दिया और देखते ही देखते मामला हंगामे में बदल गया।

➪ रात में आवारा कुत्ते पकड़ने पहुंची टीम से दबंगों की मारपीट, मोबाइल तोड़े, कर्मचारियों में आक्रोश

बताया जा रहा है कि नगर निगम कर्मियों द्वारा सरकारी कार्य होने की जानकारी देने के बावजूद आरोपियों ने हमला कर दिया। इस दौरान ड्राइवर और डॉग कैचर्स के साथ मारपीट की गई, साथ ही हमलावरों ने टीम के मोबाइल फोन भी तोड़ दिए।

घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. निरंजन मौके पर पहुंचे और पनकी थाने में एफआईआर दर्ज कराई। नगर निगम अधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं आरोपियों पर एससी एसटी की गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सचेंडी में हाईटेक छापा, गांजा तस्करों का भंडाफोड़

70 पुलिसकर्मियों की टीम, 3 ड्रोन कैमरों से निगरानी, सात महिलाओं समेत 8 गिरफ्तार, लाखों का नेटवर्क उजागर

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी कस्बे में बुधवार देर शाम पुलिस ने बेहद सुनियोजित और हाईटेक अंदाज में बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करों के अड्डे पर छापा मारा। इस ऑपरेशन में तकनीक और रणनीति का ऐसा मेल देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। करीब 70 पुलिसकर्मियों की टीम ने तीन ड्रोन कैमरों की मदद से पूरे क्षेत्र को पहले ही घेर लिया और फिर दबिश देकर सात महिलाओं समेत एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मौके से करीब 3.3 किलो गांजा और 92 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। चौंकाने वाली बात यह रही कि यह अवैध कारोबार सचेंडी थाने से महज कुछ दूरी पर ही संचालित हो रहा था, जिससे पुलिस की सतर्कता और अपराधियों के हौसलों दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

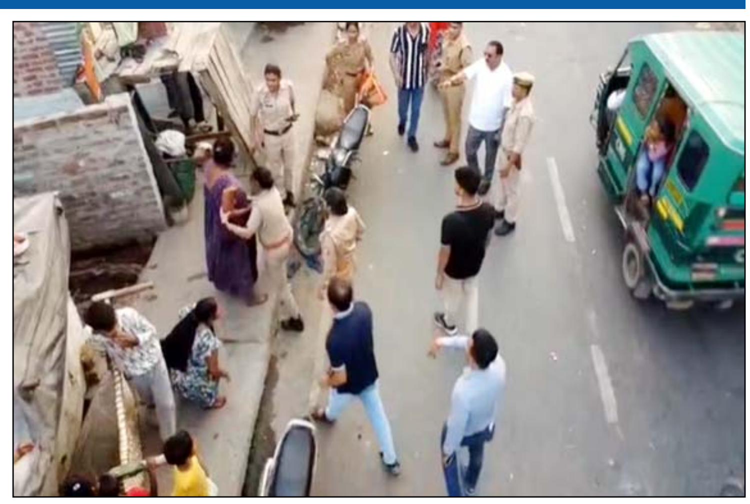

एडीसीपी क्राइम सुमित रामटेके और ट्रेनी आईपीएस सुमेध मिलिंद जाधव के नेतृत्व में चलाए गए इस ऑपरेशन में ड्रोन तकनीक ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने पहले आसमान से निगरानी कर पूरे इलाके की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया, फिर सटीक लोकेशन पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ लिया। हालांकि, कुछ तस्कर मौके से फरार हो गए, लेकिन उनकी पहचान ड्रोन फुटेज के आधार पर की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पान मसाला की गुमटियों के जरिए गांजा बेच रहे थे। एक पुड़िया में करीब 3 ग्राम गांजा होता था, जिसे 50 रुपये में बेचा जाता था। इस हिसाब से ये लोग रोजाना हजारों पुड़िया बेचकर मोटी कमाई कर रहे थे और एक संगठित नेटवर्क चला रहे थे।

गौरतलब है कि हाल ही में पुलिस ने इसी तरह के पैटर्न पर रेउना गांव में भी छापेमारी कर साइबर ठगों के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया था। उस कार्रवाई में भी तकनीक का सहारा लेकर अपराधियों तक पहुंच बनाई गई थी।

सचेंडी की यह कार्रवाई बताती है कि अब पुलिस अपराधियों के खिलाफ पारंपरिक नहीं बल्कि आधुनिक और सटीक रणनीति अपना रही है। इस पूरी कार्रवाई के बाद इलाके में दहशत के साथ-साथ पुलिस की सक्रियता को लेकर चर्चा भी तेज हो गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाएगा।

कलेक्टरगंज सिविल डिफेंस की बैठक में सम्मान की गूंज, वार्डनों का बढ़ा मनोबल

» वरिष्ठ अधिकारियों का अभिनंदन, मार्क ड्रिल व रिक्त पदों पर भर्ती के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सिविल डिफेंस कलेक्टरगंज प्रखंड की मासिक बैठक हूलागंज स्थित कार्यालय में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच आयोजित की गई। बैठक में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों का सम्मान किया गया, जिससे पूरे प्रखंड में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।

कार्यक्रम में उपमुखिया शिवराज सिंह, नवनियुक्त चीफ वार्डन राजीव सिंह, स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन सतीश अरोड़ा, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक विष्णु शर्मा तथा नवाबगंज प्रखंड के डिवीजनल वार्डन धनंजय सिंह को सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रखंड के डिप्टी डिवीजनल वार्डन संजय तिवारी, स्टाफ ऑफिसर गौरव अग्रवाल सहित आईसीओ अनुराधा दीक्षित, सुशील वर्मा, पोस्ट वार्डन नरेंद्र सिंह, अनूप बाजपेई, संजय सविता, सुरेंद्र शर्मा समेत कई वार्डनों ने मिलकर किया।बैठक में उपनियंत्रक ने प्रखंड में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने पर जोर दिया और पूर्व में वार्डनों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। वहीं चीफ वार्डन राजीव सिंह ने सभी वार्डनों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रत्येक मासिक बैठक में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहयोग करने की अपील की।

वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक विष्णु शर्मा ने प्रखंड में नियमित रूप से मार्क ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियां और मजबूत हो सकें। बैठक का समापन संगठन को और अधिक सक्रिय व सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

घंटाघर मोड़ पर भीषण हादसा

ट्रक की चपेट में आकर साइकिल सवार की मौत

» गड्ढे से बिगड़ा संतुलन, भीड़ ने चालक को पीटा, पुलिस जांच में जुटी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। हरबंस मोहाल थाना क्षेत्र के घंटाघर सुतर खाना मोड़ के पास गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में साइकिल सवार युवक की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक साइकिल से जा रहा था, तभी सड़क पर गड्ढे के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह अचानक ट्रक के नीचे आ गया। ट्रक का पहिया सिर पर चढ़ने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद गुस्साई भीड़ ने ट्रक चालक को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही हरबंस मोहाल पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को भीड़ से बचाकर थाने ले गई।

पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी के अनुसार मृत युवक की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन उसके कपड़ों और सामान से अंदेशा है कि वह आइसक्रीम बेचने का काम करता था। मौके से एक टूटा हुआ कीपैड मोबाइल, नई साइकिल, टिफिन और कुछ नकदी बरामद हुई है।

कानपुर सेंट्रल पर डीआरएम सख्त, अमृत भारत कार्यों में देरी पर जताई नाराजगी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के डीआरएम रजनीश अग्रवाल ने गुरुवार को ट्रैक निरीक्षण के दौरान कानपुर सेंट्रल स्टेशन का दौरा कर विकास कार्यों की हकीकत परखी। 'अमृत भारत योजना' के तहत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

डीआरएम अपने सैलून से ट्रैक का निरीक्षण करते हुए स्टेशन पहुंचे और ट्रैक की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों व रखरखाव व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। इसके बाद स्टेशन परिसर में साफ-सफाई, प्रतीक्षालय, प्लेटफार्म व्यवस्था और निर्माणाधीन परियोजनाओं की स्थिति का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर काम की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के बाद डीआरएम ने इंजीनियरों व विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि 'अमृत भारत योजना' के तहत स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना लक्ष्य है, इसलिए गुणवत्ता और समयबद्धता दोनों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। दौरे के अंत में डीआरएम अनवरगंज, पनकी, गोविंदपुरी और भीमसेन स्टेशनों पर चल रहे कार्यों की समीक्षा के लिए रवाना हुए। उनका यह निरीक्षण रेलवे परियोजनाओं में तेजी और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उद्घाटन से पहले ही उजागर हुआ 'घोटाला'?

निघासन उपमंडी की सड़क उखड़ी 4 करोड़ का निर्माण सवालों में

मानकों की अनदेखी का आरोप, ग्रामीणों में रोष, जांच और कार्रवाई की मांग तेज

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखीमपुर खीरी। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई निघासन उपमंडी का हाल उद्घाटन से पहले ही उसकी गुणवत्ता की पोल खोल रहा है। करीब 4 करोड़ 7 लाख रुपये की लागत से बनी इस उपमंडी में निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालत यह है कि परिसर के अंदर डामर (तारकोल) से बनी सड़क कई स्थानों पर उखड़ चुकी है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा संदेह गहराने लगा है।

निघासन और लुधौरी ग्राम समाज की करीब 1.546 हेक्टेयर भूमि पर विकसित इस उपमंडी को क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ी सुविधा के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन उद्घाटन से पहले ही इसकी सड़क बदहाल हो गई है। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, कई हिस्सों में सड़क से डामर पूरी तरह गायब हो चुका है और नीचे की गिट्टी बाहर निकल आई है।

इससे साफ संकेत मिलता है कि निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि जब करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की यह स्थिति है, तो बाकी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठना लाजिमी है। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और संबंधित विभाग ने मिलकर घटिया सामग्री का उपयोग किया, जिसकी वजह से यह स्थिति पैदा हुई है।

हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले पर अभी तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न ही मरम्मत या जांच की दिशा में कोई सक्रिय पहल दिख रही है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी और अविश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सार्वजनिक धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके और भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराई न जाए।

सम्पादकीय

खाड़ी संघर्ष के असर से बढ़ी महंगाई की मार

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी।

निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना। वहीं निम्न आय वर्ग के लोगों में इससे भरण-पोषण का संकट पैदा हो रहा है। श्रमिक असंतोष के बीच आक्रोश उभरा कि महंगाई के अनुपात में उनकी आमदनी नहीं बढ़ रही, फलतः जीवनयापन कठिन होता जा रहा है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया कि जिसकी वजह पश्चिमी एशिया से उपजा संकट बताया जा रहा है। सवाल यह है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास सिरे क्यों नहीं चढ़ रहे हैं। यदि कदम प्रभावकारी हैं तो फिर महंगाई क्यों बढ़ रही है। वास्तव में खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि को महंगाई का मुख्य कारण बताया जा रहा है। यद्यपि सरकार की दलील है कि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की रेड लाइन चार फीसदी से नीचे है। लेकिन वास्तव में स्थिर आय के चलते महंगाई अधिक महसूस की जा रही है।

इस्लामाबाद वार्ता में प्रवाह के सिद्धांत की अनदेखी

निरंजन भंडारी

पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से होर्मुज गतिरोध की बात करें तो दुनिया के संकरे द्वारों में निरंतर आवाजाही ही स्थिरता प्रदान कर सकती है। आपूर्ति श्रृंखलाएं, वित्तीय प्रणालियां और डिजिटल नेटवर्क वैश्विक प्रणाली की जीवन रेखाएं हैं। राजनीति इस प्रवाह की संरक्षक' बननी चाहिये। लेकिन इस्लामाबाद वार्ता में यह मिसाल कायम नहीं हो सकी।आधुनिक दुनिया बात तो करती है शांति की, लेकिन व्यवहार करती है व्यवधान की मशीनरी के ज़रिए। युद्ध अब केवल सीमाओं या खंदकों तक सीमित नहीं; आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होती हैं, वित्तीय प्रणालियां थरथराती हैं और डिजिटल नेटवर्क एवं समुद्री मार्ग रुकते हैं। प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र हमारे अस्तित्व के हर पहलू तक फैल चुका है, लेकिन शासकीय सिद्धांत अभी भी 17वीं सदी के 'वेस्टफेलियन संप्रभुता' के तर्क में अटके हैं।

हम बाड़ लगाने के औज़ारों से बाढ़ नियंत्रण में लगे हैं।मूल अंतर्दृष्टि ः निरंतरता के रूप में स्थिरता- इतिहास एक शांत सत्य उजागर करता है ः स्थिरता निरंतर आदान-प्रदान होते रहने से बनती है, न कि प्रतिद्वंद्विता के अभाव से। मार्ग मुक्त रहें और आवाजाही सुरक्षित रहे, तो दुनिया समृद्ध होती है। जब ये प्रवाह थम जाए, तो पतन होता है। स्थिरता प्रवाह संग चलती है। यह हमारा गंतव्य न होकर वह गति है जिसे बनाए रखना होता है- जैसे न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण की शिनाख्त की थी, न कि आविष्कार। हमारे समय के व्यवधान एक अंतर्निहित नियम उजागर करते हैं ः स्थिरता प्रवाह की निरंतरता के पीछे-पीछे आती है। यह तर्क कोई नया नहीं। भौतिकी इसे काफी पहले कायम कर चुकी है। प्रवाह को प्रतिरोध द्वारा संरक्षित किया व बनाया जाता है,और अंतर से प्रवाह काम करता है। एकदम बांध दें, तो दबाव कहीं और बन जाएगा। तोड़ दें, तो तबाही मच जाएगी। ग्लोबल सिस्टम का व्यवहार भी इससे अलग नहीं।इस्लामाबाद वार्ता ः मिसाल कायम करने का मौका गंवाया- इस्लामाबाद में बहुत बड़े दांवों वाली वार्ता में, मिसाल कायम करने का अवसर गंवा डाला। सप्ताहों तक बढ़ती गई तनातनी के बाद दोनों पक्ष मिले। अपनी-अपनी स्थिति का बचाव करते रहे, इतिहास का हवाला दिया, और रेड लाइंस खिंची। लेकिन वे खाली हाथ लौटे। जो कुछ हुआ, वह कोई वार्ता नहीं रही; यहां एक मिसाल कायम करने का मौका गंवा दिया। दोनों पक्षों को आगे बढ़ने के लिए जिस चीज़ की सर्वाधिक ज़रूरत थी, उनमें से कुछ भी सामने नहीं रखा। वार्ताकार आगे की राह टटोलने की बजाय अपनी-अपनी स्थितियां न्यायोचित ठहराने तक सीमित रहे। वे विरोधी के रूप में मिले। चाहते तो 'प्रवाह के संरक्षक' के रूप में लौट सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं किया। जब गौरव या ज़मीन के मुद्दे पर बातचीत हो, तो हम वहीं अटक जाते हैं। जब अस्तित्व की साझा जीवन-रेखाओं पर बात करेंगे, तो आगे बढ़ेंगे।क्षैतिज गुरुत्वाकर्षण ः नया स्थिरांक- अब हम किसी के सिंहासन के आकार या सीमा बहुत दूर होने से अधिक प्रभावित नहीं। नया स्थिरांक है आपसी निर्भरता; अदृश्य खिंचाव, जो ऊर्जा मार्ग, डेटा नेटवर्क और वित्तीय प्रणालियों को एकीकृत कार्यशील हकीकत में बांधता है। लंबवत ऊंचाई के लिए जैसे गुरुत्वाकर्षण काम करता है, वही काम क्षैतिज दिशा में प्रवाह का है। यह आम सहमति का इंतज़ार नहीं करता, न ही किसी आचार-संहिता से चालित है;यह तो बाध्यकारी है। पारस्परिक निर्भरता को हम नहीं चुनते; बल्कि इसी संग जन्म लेते हैं। आधुनिक राष्ट्र के लिए प्रवाह को नकारना ऑक्सीजन को नकारने जैसा है।प्रवाह का सिद्धांत ः प्रकृति का प्रथम नियम- प्रवाह प्रकृति का प्रथम नियम है- निरंतरता से ही स्थिरता बनी रहती है; इसमें आया व्यवधान प्रणालियों को पुनः अराजकता की ओर धकेल देता है। अगले दशकों में जीवित रहने के दायित्व का तालमेल निर्भरता से बैठाना होगा। जरूरी प्रवाह रुके नहीं।खुले मार्गों से साझा नियमों तक ः समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने यह स्वीकार किया कि गहरे समुद्र जैसे कुछ क्षेत्र खुले रहने चाहिए। इस प्रावधान ने पहुंच संरक्षित रखी; लेकिन निरंतरता सुनिश्चित नहीं की। प्रवाह का नियम इसमें अनिवार्य सुधार होना चाहिए।

पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी बनता डिजिटल प्रदूषण

डिजिटल प्रदूषण का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'अभौतिक' है। इंटरनेट पर हमारा हर क्लिक, सर्च और क्लाउड स्टोरेज बिजली की भारी खपत करता है, जो अधिकांशतः जीवाश्म ईंधन से आती है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती है।जब हम 'प्रदूषण' शब्द सुनते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में जहरीला धुआं उगलती चिमनियां, प्लास्टिक से पटी नदियां या सड़कों पर लगा कचरे का ढेर उभरता है। ये प्रदूषण के वे रूप हैं जिन्हें हम देख सकते हैं और महसूस कर सकते हैं।

लेकिन इक्कीसवीं सदी की डिजिटल क्रांति के साथ एक ऐसा अदृश्य जहर हमारे वातावरण और जीवन में घुल चुका है, जिसे हम देख नहीं सकते, सूंघ नहीं सकते, लेकिन वह धीरे-धीरे हमारे पर्यावरण और मानसिक स्वास्थ्य को खोखला कर रहा है। इसे हम 'डिजिटल प्रदूषण' कहते हैं। भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल साक्षरता और कनेक्टिविटी चरम पर है और 'डिजिटल इंडिया' का सपना साकार हो रहा है, इस अदृश्य खतरे पर कानून, नीति और जनजागरूकता के नजरिये से चर्चा करना अनिवार्य हो गया है। बेशक, ई-कचरा एक वैश्विक समस्या है, लेकिन डिजिटल प्रदूषण का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'अभौतिक' है। इंटरनेट पर हमारा हर क्लिक, सर्च और क्लाउड स्टोरेज बिजली की भारी खपत करता है, जो अधिकांशतः जीवाश्म ईंधन से आती है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती है। जिन्हें चलाने और ठंडा रखने के लिए अत्यधिक ऊर्जा और पानी की आवश्यकता होती है। अतः, डिजिटल गतिविधियों का सीधा और गहरा प्रभाव हमारे पर्यावरण पर पड़ता है। डिजिटल प्रदूषण के दो सबसे घातक पहलू 'डार्क डेटा' और 'डिजिटल फुटप्रिंट' हैं। 'डार्क डेटा' वह अनुपयोगी डेटा है जो कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा केवल स्टोर किया जाता है, जिसका दुनिया भर के कॉर्पोरेट डेटा में हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है। यह डेटा केंद्रों में व्यर्थ ऊर्जा की खपत करता है। वहीं, हमारा 'डिजिटल फुटप्रिंट' भी उतना ही खतरनाक है; एक स्पैम ईमेल अपने पूरे जीवनचक्र में लगभग 0.3 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड पैदा करने का जिम्मेदार है। यदि हम दुनियाभर में प्रतिदिन भेजे जाने वाले अरबों स्पैम और अनावश्यक ईमेल की गणना करें, तो यह प्रदूषण का स्तर वैश्विक विमानन उद्योग द्वारा फैलाए जाने वाले कुल उत्सर्जन के बराबर पहुंच जाता है। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि हमारी एक छोटी-सी डिजिटल लापरवाही धरती के तापमान को बढ़ाने में कितनी बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत में 'डिजिटल प्रदूषण' को सीधे तौर पर परिभाषित करने वाला कोई विशिष्ट या एकल कानून मौजूद नहीं है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986) और समय-समय पर संशोधित ई-कचरा प्रबंधन नियम (2016/2022) इसके केवल भौतिक हिस्से (हार्डवेयर कचरे) को कवर करते हैं। असली चुनौती डेटा केंद्रों से होने वाले ऊर्जा उत्सर्जन और 'डिजिटल हाइजीन' की है, जिसके लिए वर्तमान में स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देशों की कमी खलती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) की व्याख्या करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार 'स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार' को एक मौलिक अधिकार के रूप में स्थापित किया है। यद्यपि ये मामले पारंपरिक औद्योगिक प्रदूषण से संबंधित थे, लेकिन इनमें स्थापित 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा' और 'एहतियाती सिद्धांत' का दर्शन डिजिटल दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए। जो कंपनियां विशाल डेटा सेंटर चलाती हैं और करोड़ों भारतीयों का डेटा प्रोसेस करती हैं, वे डेटा की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं।'भारत सरकार द्वारा 'राइट टू रिपेयर' पोर्टल का शुभारंभ एक क्रांतिकारी पहल है। कानूनी और नीतिगत रूप से यह उपभोक्ताओं को सशक्त बनाता है कि वे अपने गैजेट्स को कंपनियों के एकाधिकार से बाहर निकलकर ठीक करा सकें।

यह पहल न केवल कंपनियों की 'प्लांड ऑब्सेसलेंस' (गैजेट्स को

नारी शक्ति का जोश दिखा, स्कूटी रैली से गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश

ब्लॉक प्रमुख बोलीं 33 फीसदी आरक्षण से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी होगी मजबूत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन और जागरूकता को लेकर बिल्हौर में बुधवार को महिलाओं का उत्साह देखने को मिला। ब्लॉक परिसर से निकली स्कूटी रैली ने कस्बे में महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में दर्जनों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इसमें शिक्षा विभाग की शिक्षिकाएं, स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मी, अधिवक्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाएं शामिल रहीं। सभी महिलाएं स्कूटी पर सवार होकर जागरूकता संदेशों वाले पोस्टर लेकर निकलीं, जिससे आम लोगों का ध्यान इस कानून की ओर आकर्षित हुआ। रैली ब्लॉक परिसर से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन: ब्लॉक कार्यालय पहुंची।

ब्लॉक परिसर में आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक फैसला है। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण महिलाओं को मिलेगा, जिससे देश की राजनीति में उनकी भागीदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़कर नेतृत्व करें। उन्होंने सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा। इस दौरान भाजपा नेत्री गीता गुप्ता, अधिवक्ता रूचि पाल,शालिनी,प्रीति,समेत अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

❍ ब्लॉक प्रमुख ने दिखाई हरी झंडी, सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा
❍ डॉक्टर, टीचर, अधिवक्ता व समाजसेवी महिलाएं रैली में रहीं शामिल

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को संवैधानिक रूप से मजबूत आधार प्रदान करता है। 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से उन्हें वह मंच मिलेगा, जहां वे न सिर्फ अपने अधिकारों की आवाज बुलंद कर सकेंगी, बल्कि समाज से जुड़े अहम मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से उठा पाएंगी। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक संतुलित व समावेशी बनेगी।

बसंती सिंह,वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व अध्यक्ष द लायर्स एसोसिएशन बिल्हौर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भाजपा सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। यह कानून महिलाओं को सिर्फ प्रतिनिधित्व ही नहीं देगा, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार ऐतिहासिक फैसले लिए जा रहे हैं। इससे समाज में महिलाओं की स्थिति और अधिक मजबूत और प्रभावशाली होगी।

-मनोरमा कठेरिया, ब्लॉक प्रमुख बिल्हौर भाजपा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करते हुए हम महसूस करते हैं कि जब महिलाओं को निर्णय लेने का अवसर मिलता है, तो समाज में सकारात्मक बदलाव तेजी से आता है। यह कानून महिलाओं को आगे बढ़ने और नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

स्वाति कटियार ,स्वास्थ्य कर्मी सीएचसी बिल्हौर

कल तहसील सभागार में लगेगा रक्तदान शिविर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। द लॉयर्स एसोसिएशन बिल्हौर के तत्वावधान में छठवां रक्तदान शिविर 17 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। शिविर तहसील बिल्हौर के नवीन सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा।

अधिवक्ता डॉ. सुशांक मिश्रा ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। समाज के हर वर्ग को इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे स्वयं भी रक्तदान करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

➪ द लॉयर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में इस बार छठा आयोजन

सीबीएसई हाईस्कूल रिजल्ट में बिल्हौर के छात्र चमके

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित होते ही बिल्हौर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। परिणाम सामने आते ही छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे और बधाइयों का दौर शुरू हो गया।

चौबेपुर क्षेत्र के बाबा विश्वनाथ इंटरनेशनल स्कूल का परीक्षा परिणाम इस बार खासा बेहतर रहा। विद्यालय के छात्र प्रभात ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं सिद्धार्थ शर्मा ने कंप्यूटर विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार कुल 137 परीक्षार्थियों में से अधिकांश ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की है। प्रबंधन ने इसका श्रेय शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन को दिया है। अन्य विद्यालयों के परिणाम भी संतोषजनक रहे। शिक्षकों का कहना है कि इस बार छात्रों का प्रदर्शन विशेष रूप से कंप्यूटर विषय में बेहतर रहा है।

परिणाम घोषित होने के बाद कस्बे में जश्न का माहौल रहा। छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई, जबकि अभिभावकों ने भी बच्चों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर देर रात तक शुभकामनाओं का सिलसिला चलता रहा।

प्रभात यादव, 96 प्रतिशत, राघव शुक्ला, 93.5 प्रतिशत, तैबा सिद्दीकी, 90 प्रतिशत, विभव शुक्ला 93 प्रतिशत, दिव्या बाजपेई 91 प्रतिशत।

➪ प्रभात ने 96% अंक पाकर किया टॉप, सिद्धार्थ को कंप्यूटर में शत-प्रतिशत

शिवराजपुर हाईवे पर सड़क हादसा, तीन की मौत, बच्ची जिंदगी की जंग लड़ रही

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शिवराजपुर क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर दुबियाना अंडरपास के ऊपर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है।

हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ, जब बिठूर थाना क्षेत्र के बाकरगंज गांव निवासी विनोद निषाद (45) और रामनारायण निषाद (52) अपने परिजनों के साथ बिल्हौर से लौट रहे थे। सभी लोग एक ही बाइक पर सवार थे, जिनमें 10 वर्षीय दीक्षा और 11 वर्षीय पीयूष भी शामिल थे। पुलिस के अनुसार, चालक को रातभर जागरण में शामिल रहने के कारण झपकी आ गई, जिससे बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी शिवराजपुर भेजा। वहां डॉक्टरों ने विनोद और रामनारायण को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल पीयूष ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल दीक्षा को बेहोशी की हालत में निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

➪ एक ही बाइक पर सवार चार लोग बने हादसे का शिकार, झपकी बनी मौत की वजह

खेत से लौट रही महिला से छेड़छाड़ की कोशिश, विरोध पर मारपीट का प्रयास

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला से छेड़छाड़ और मारपीट की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं बताया गया कि महिला बुधवार शाम खेत से लौट रही थी, तभी रास्ते में गांव निवासी युवक ने उसका हाथ पकड़ लिया और जबरन पास के खेत की ओर खींचने लगा। अचानक हुए इस घटनाक्रम से घबराई महिला ने शोर मचाया, जिस पर आसपास मौजूद परिजन मौके पर पहुंच गए और उसे बचाया। इस दौरान हाथापाई में महिला की चूड़ियां भी टूट गईं।

पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी अपने साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और परिवार के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट का प्रयास किया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ, लेकिन आरोपियों ने शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। महिला के अनुसार, देर शाम आरोपित एक बार फिर उसके घर के बाहर पहुंचे और डराने-धमकाने की कोशिश की, जिससे परिवार दहशत में है। उधर पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है।

➪ देर शाम दोबारा घर पहुंचकर किया हंगामा, पुलिस जांच में जुटी

नोटिस देकर सो गया प्रशासन: मुगल मार्ग पर अतिक्रमण कायम, जाम से जनता बेहाल

तीन दिन का अल्टीमेटम बेअसर, सख्त कार्रवाई के दावे हवा—अफसरों की लापरवाही उजागर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुगल मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की नगर पंचायत की कार्रवाई महज औपचारिकता बनकर रह गई है। 25 अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर तीन दिन में कब्जा हटाने का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन समयसीमा बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे प्रशासन की ढिलाई और लापरवाही साफ नजर आ रही है।सड़क किनारे ठेले, दुकानों का फैलाव और स्थायी कब्जे बिना किसी भय के जारी हैं। नोटिस के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं दिखी, जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले और बुलंद हो गए हैं। नतीजतन, मुगल मार्ग पर रोजाना जाम लग रहा है और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी नीति त्रिपाठी ने तय समय में कार्रवाई का भरोसा दिलाया था, लेकिन उनका आश्वासन भी बेअसर साबित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर बार नोटिस जारी कर प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई कदम नहीं उठाया जाता।मुख्य मार्ग पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी होती जा रही है। स्कूल जाने वाले बच्चे, मरीज और रोजमर्रा के यात्री सबसे अधिक प्रभावित हैं। टीम के साथ जल्द कार्रवाई का दावा किया है, लेकिन लोगों को अब ठोस कदम का इंतजार है।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
31 Mar 2026 - Page 8
मुगल मार्ग पर अतिक्रमणकारियों पर कसा शिकंजा, 25 को नोटिस
» तीन दिन में खुद हटाने के दिए गए निर्देश फिर होगी कार्रवाई

संदिग्ध हालात में फांसी पर झूला युवक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर मौत हो जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया। माधव नगर निवासी करीब 50 वर्षीय शिव शंकर पुत्र पुत्तीलाल ने अपने घर के बाहर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं, जिससे मामला और भी संदिग्ध माना जा रहा है। परिजनों के अनुसार, उन्होंने किसी भी कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

कठेरिया समाज की बैठक में दिखी एकजुटता

भाजपा नेता अरविंद कठेरिया का जोरदार स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद के असालतगंज में श्याम बाबू के आवास पर कठेरिया समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस दौरान भाजपा नेता अरविंद कठेरिया का जोरदार स्वागत किया गया और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए अरविंद कठेरिया ने कहा कि चुनाव में संगठित समाज ही निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने क्षेत्र में लगातार जनसंवाद बढ़ाने और लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की बात कही। गौरतलब है कि अरविंद कठेरिया पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया के प्रतिनिधि रह चुके हैं और लंबे समय से रसूलाबाद क्षेत्र में सक्रिय हैं। इसके साथ ही वे पूर्व में कठेरिया समाज के सामूहिक विवाह समारोह में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं, जिससे समाज में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। बैठक में श्याम बाबू कठेरिया, अतुल सिंह कठेरिया, नीरज कठेरिया, अवधेश कठेरिया, राजेश, एडवोकेट विनोद कठेरिया, रामकुमार, जनक सिंह, अमित, जगराम, शिवमंगल प्रधान, ललित, रामराज, पिंटू व डॉ. रामराज सहित कई लोग मौजूद रहे।

75 साल बाद भी 'लकड़ी का पुल' ही सहारा बन्दरहा में विकास की पोल खोलती हकीकत

पांडु नदी पर स्थायी पुल का इंतजार, जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर ग्रामीण

मो. मशरूफ नवाज़/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। आजादी के 75 साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जिले के कई गांव अब भी बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं। रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र के कन्नौज सीमा से सटे बन्दरहा गांव की स्थिति विकास के दावों पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। यहां पांडु नदी पर आज तक कोई पक्का पुल नहीं बन सका, जिससे ग्रामीणों को आज भी लकड़ी और बांस के अस्थायी पुल के सहारे अपनी जिंदगी चलानी पड़ रही है।

बन्दरहा गांव, जो विकास खंड रसूलाबाद की मिर्जापुर लकोठिया ग्राम पंचायत का हिस्सा है, वहां के लोगों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद ही आरसीसी खंभों के सहारे बांस और बल्लियों से पुल तैयार किया है। यह पुल न सिर्फ आवागमन का साधन है, बल्कि प्रशासनिक उदासीनता की एक कड़वी सच्चाई भी बयां करता है। ग्रामीणों के लिए यह पुल रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, लेकिन हर दिन इसे पार करना जोखिम से भरा होता है। खासकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब पांडु नदी का जलस्तर बढ़कर पुल के बराबर पहुंच जाता है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।इस समस्या का सबसे ज्यादा असर गांव के बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। सिमरिया, अवसेर और बिहारीपुर जैसे क्षेत्रों में पढ़ने जाने वाले छात्र-छात्राओं को इसी पुल से होकर गुजरना पड़ता है। यदि यह रास्ता बंद हो जाए, तो उन्हें कई किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर चुनाव में जनप्रतिनिधि पुल निर्माण और विकास के बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही ये वादे हवा हो जाते हैं। गांव के योगेश वर्मा, रजनीश वर्मा, ममता देवी, रामवीर वर्मा, सुरेश वर्मा, मुकेश वर्मा, शिवकुमार वर्मा, संतोष वर्मा, रीना देवी और गुड्डी देवी सहित कई लोगों ने बताया कि वर्षों से मांग उठाई जा रही है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला है। ग्राम पंचायत स्तर पर भी अन्य विकास कार्यों की अनदेखी से ग्रामीणों में गहरा असंतोष है। अब लोगों का कहना है कि वे इस बार अपने वोट के जरिए जवाब देने के लिए तैयार हैं।

बन्दरहा गांव का यह 'लकड़ी का पुल' अब सिर्फ एक रास्ता नहीं, बल्कि विकास के खोखले दावों का प्रतीक बन चुका है। सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या को समझते हुए कोई ठोस कदम उठाएंगे, या फिर ग्रामीणों की जिंदगी यूं ही जोखिम के साये में गुजरती रहेगी।

नकाबपोश बदमाशों ने बुजुर्ग महिला के कान के बाले छीने

दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात में महिला गंभीर घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। खेत से गेहूं की कटाई कर घर लौट रही एक बुजुर्ग महिला को बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने निशाना बनाते हुए उसके कान के बाले छीन लिए, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

मूसानगर के वार्ड नंबर 13 गौसगंज निवासी स्वर्गीय गया प्रसाद की पत्नी फूल कली बुधवार शाम करीब 3 से 4 बजे के बीच खेतों से घर लौट रही थीं। खिरियनपुर गांव से लगभग 300 मीटर दूर ट्यूबवेल के पास सुनसान रास्ते पर पीछे से आए बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके कानों के बाले खींच लिए और धक्का देकर गिरा दिया। इस दौरान महिला के दोनों कान गंभीर रूप से जख्मी हो गए और खून बहने लगा। कुछ देर बाद खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे, तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। ग्रामीणों की मदद से घायल महिला घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और उपचार के लिए सीएचसी पुखरायां भेजा गया। महिला ने बताया कि बदमाशों ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रीना गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने बदमाशों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी है।

97.6 प्रतिशत अंक से चमकी पुखरायां की उन्नति मेहनत ने लिखी कामयाबी की मिसाल

उन्नति ने साधारण परिवेश से निकलकर हासिल की असाधारण सफलता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां की बेटी उन्नति सिंह ने CBSE हाईस्कूल परीक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन कर दिया। साधारण परिवेश से निकलकर असाधारण सफलता हासिल करने वाली उन्नति आज इलाके की नई पहचान बन गई हैं।

अभय प्रताप सिंह की सुपुत्री उन्नति, जैन वर्ल्ड स्कूल, मावर की छात्रा हैं। उन्होंने अपनी लगातार मेहनत, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति समर्पण से यह मुकाम हासिल किया। परीक्षा केंद्र केंद्रीय विद्यालय, माती में रहा, जहां उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी और शानदार परिणाम हासिल किया।

उन्नति की सफलता कोई संयोग नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का नतीजा है। वह शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही हैं और शिक्षकों की पसंदीदा छात्राओं में शामिल रहीं। उनका मानना है कि ÷हर दिन की छोटी-छोटी मेहनत ही बड़े परिणाम देती है।

परिवार ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया, तो शिक्षकों ने सही दिशा दिखाई। यही कारण है कि आज उन्नति ने सफलता की ऐसी कहानी लिखी है, जो बाकी छात्रों के लिए प्रेरणा बन गई है।

परिणाम घोषित होते ही जैन वर्ल्ड स्कूल, मावर में खुशी की लहर दौड़ गई। शिक्षकों ने मिठाई खिलाकर उन्नति का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्र के लोगों और जनप्रतिनिधियों ने भी इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए बधाइयाँ दीं।

बेटी की सफलता से गूंजा पुखरायां

उन्नति की इस उपलब्धि के बाद उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। हर कोई उनकी मेहनत और लगन की सराहना कर रहा है।

परिजनों के अनुसार, उन्नति का सपना आगे चलकर उच्च शिक्षा हासिल कर देश की सेवा करना है।

उन्नति सिंह ने साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो छोटी जगह भी बड़ी कामयाबी की राह बन जाती है।

पेड़ से लटककर विवाहिता ने दी जान, गांव में मचा हड़कंप

पहले भी कर चुकी थी आत्महत्या का प्रयास

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। क्षेत्र के हरदू गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 30 वर्षीय विवाहिता ने खेत में नीम के पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, हरदू गांव निवासी मांशी पत्नी अनिल कुमार मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे घर से गेहूं काटने के लिए खेत पर गई थी। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान खेतों में मौजूद किसानों की नजर पास के नीम के पेड़ पर पड़ी, जहां दुपट्टे के सहारे महिला का शव लटका हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान इंद्र बहादुर यादव ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। परिजनों के मुताबिक, मृतका इससे पहले भी करीब एक वर्ष पूर्व उसी स्थान पर आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी, लेकिन उस समय ग्रामीणों की सतर्कता से उसकी जान बच गई थी। थानाध्यक्ष गंगादास गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मिर्जापुर में अधिवक्ता की हत्या के विरोध में कानपुर देहात बार एसोसिएशन का प्रदर्शन

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में अधिवक्ता की निर्मम हत्या के विरोध में बुधवार को जनपद न्यायालय परिसर में जिला बार एसोसिएशन के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। घटना के विरोध में अधिवक्ताओं में आक्रोश देखने को मिला और न्यायालय परिसर में एकत्र होकर सभी ने एक स्वर में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन का नेतृत्व जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बलराम सिंह यादव एवं महामंत्री दुर्गेश चंद्र यादव ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने हिस्सा लेते हुए घटना की कड़ी निंदा की और मृतक अधिवक्ता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की।

अधिवक्ताओं ने सरकार और प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाए। साथ ही भविष्य में अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए स्पष्ट कहा कि जब तक पीड़ित को न्याय नहीं मिलेगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा। न्यायालय परिसर में हुए इस विरोध प्रदर्शन से अधिवक्ताओं में व्याप्त रोष और असंतोष साफ झलकता नजर आया।

गौरक्षा कानून की मांग को लेकर 27 अप्रैल को तहसीलों में मनाया जाएगा 'गो सम्मान दिवस'

साध्वी विमला देवी ने छात्रों-अभिभावकों को जोड़ा, मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा ज्ञापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।जनपद में आगामी 27 अप्रैल को तहसीलों में 'गो सम्मान दिवस' मनाए जाने की तैयारी तेज हो गई है। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा मुख्यमंत्री को हस्ताक्षरित ज्ञापन भेजकर गौ माता की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की जाएगी।

इसी क्रम में वृन्दावन से आई साध्वी विमला देवी ने अपनी टीम के साथ थनवापुर स्थित वी डी एल एस कॉलेज में पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से संपर्क किया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए लोगों को जागरूक किया और अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की।

साध्वी विमला देवी ने गौ माता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गाय भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रमुख आधार है। इसके संरक्षण और सुरक्षा के लिए सरकार को प्रभावी कानून बनाना चाहिए, जिससे गौरक्षा को मजबूती मिल सके।कार्यक्रम के दौरान पत्रक वितरण कर लोगों को अभियान से जोड़ने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनुपम द्विवेदी, डा. प्रखर द्विवेदी, तृषि तिवारी, ध्रुव कान्त, रवीन्द्र दुबे, आर के तिवारी, प्रवीण, अजीत, जया, विधा नारायण, बाला प्रसाद सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

गेहूं खरीद केंद्र बंद, 10 किमी दूर गेहूं बेचने को मजबूर अन्नदाता

भाल समिति को नजरअंदाज करने से भड़का गुस्सा, समय-धन की बर्बादी से बढ़ी मुश्किलें

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के भाल स्थित साधन सहकारी समिति को इस वर्ष गेहूं खरीद केंद्र न बनाए जाने से क्षेत्र के किसानों में भारी नाराजगी व्याप्त है।

हर साल जहां किसान अपनी उपज आसानी से स्थानीय समिति पर बेच देते थे, वहीं इस बार उन्हें करीब 10 किलोमीटर दूर मानपुर और गोपालपुर केंद्रों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इससे न केवल उनकी लागत बढ़ रही है, बल्कि समय की भी भारी बर्बादी हो रही है।

भाल सहकारी समिति क्षेत्र के गनेशपुर, मड़ैया, खलासपुर, कमलपुर सहित लगभग एक दर्जन गांवों के किसानों के लिए मुख्य सहारा रही है। यहां खरीद केंद्र संचालित होने से किसानों को अपनी फसल बेचने में सहूलियत मिलती थी। लेकिन इस बार केंद्र न खुलने से पूरी व्यवस्था चरमराई हुई नजर आ रही है।

खासतौर पर छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक बन गई है। खेत से गेहूं लादकर दूर केंद्रों तक ले जाना उनके लिए आसान नहीं है। कई किसानों को ट्रॉली या वाहन का अतिरिक्त किराया देना पड़ रहा है, जिससे मुनाफा घटकर लागत के करीब पहुंच गया है। किसान अरविंद दीक्षित, बब्बन, आलोक सिंह, विनोद सिंह, ओमकार, शीतल प्रसाद, अगनू प्रसाद, मेवालाल, मुंशीलाल, सरनाम सिंह, देवेंद्र सिंह, संतराज और दिग्विजय सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि प्रशासन ने बिना कोई वैकल्पिक व्यवस्था किए भाल केंद्र को बंद कर दिया, जिससे किसानों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। किसानों का साफ कहना है अगर भाल में खरीद केंद्र चालू नहीं किया गया तो हमें मजबूरन औने-पौने दामों में फसल बेचनी पड़ेगी।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में समिति के सचिव देव सिंह ने बताया कि स्थानीय स्तर पर प्रयास जारी हैं और जल्द ही यहां गेहूं क्रय केंद्र संचालित किए जाने की संभावना है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

किसानों का आरोप है कि हर साल समय से केंद्र शुरू हो जाता था, लेकिन इस बार अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या किसानों की समस्या प्रशासन की प्राथमिकता में नहीं है?

मांगः तुरंत चालू हो भाल केंद्र

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि भाल साधन सहकारी समिति को तत्काल गेहूं क्रय केंद्र घोषित कर खरीद शुरू कराई जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक भागदौड़ और आर्थिक नुकसान से राहत मिल सके।

बिचौलियों के सक्रिय होने का खतरा

स्थानीय स्तर पर यह भी आशंका जताई जा रही है कि खरीद केंद्र न होने से बिचौलिए सक्रिय हो सकते हैं, जो किसानों से कम दाम पर गेहूं खरीदकर फायदा उठाएंगे। इससे सरकारी खरीद व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

ओवरलोड बालू ट्रकों ने तोड़ी सड़क खोजा रामपुर में सफर बना खतरा

500 मीटर सड़क उखड़ी, स्कूली बच्चे और ग्रामीण सबसे ज्यादा परेशान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र की बीहड़ पट्टी में स्थित खोजा रामपुर गांव से जालौन जनपद को जोड़ने वाली सड़क ओवरलोड बालू लदे ट्रकों की वजह से पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि इस मार्ग पर चलना अब राहगीरों के लिए खतरे से खाली नहीं रहा। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिससे आए दिन वाहन सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं।यह सड़क क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा मानी जाती है, लेकिन आज यही रास्ता उनके लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन गया है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बेहमई-खोजा रामपुर क्षेत्र में संचालित बालू खनन घाटों से निकलने वाले ओवरलोड ट्रक दिन-रात इसी मार्ग से गुजरते हैं। भारी वाहनों के लगातार दबाव से गांव की करीब 500 मीटर सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। सड़क की गिट्टी बाहर आ गई है और बड़े-बड़े गड्ढों ने इसे खतरनाक बना दिया है।यमुना नदी पर सरैनी पुल का निर्माण ग्रामीणों की सुविधा के लिए किया गया था, ताकि जालौन तक आवागमन आसान हो सके। लेकिन बिना औपचारिक उद्घाटन के ही इस पुल पर आवाजाही शुरू हो गई और अब यह मार्ग ओवरलोड ट्रकों के लिए आसान रास्ता बन गया है। नतीजा जिस सुविधा के लिए पुल बना, वही अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गया है।ग्रामीणों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क का मरम्मतीकरण कराया गया था, लेकिन ओवरलोड वाहनों की वजह से सड़क फिर से पूरी तरह टूट गई। इससे साफ है कि बिना ओवरलोडिंग रोके किसी भी मरम्मत का कोई फायदा नहीं है। खोजा रामपुर के रामकेश सिंह, पुष्पेंद्र, राम-लखन पाल, राकेश सिंह, रामबाबू निषाद और डौंडियापुर के समाजसेवी व पूर्व शिक्षक लालजी सिंह सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि ओवरलोड वाहनों की रोकथाम के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ओवरलोड ट्रकों पर रोक नहीं लगाई गई और सड़क का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

शिक्षा चौपाल में नामांकन बढ़ाने पर जोर, बीईओ व शिक्षकों का हुआ सम्मान

स्कूल चलो अभियान और निपुण भारत मिशन की विस्तृत जानकारी दी गई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के अंतर्गत तारनपुर प्राथमिक विद्यालय में न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और अधिक से अधिक नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार एवं खंड शिक्षा अधिकारी आनंद भूषण के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। चौपाल में अभिभावकों को स्कूल चलो अभियान और निपुण भारत मिशन की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराएं, जिससे उन्हें बेहतर और निःशुल्क शिक्षा का लाभ मिल सके।

ब्लॉक अध्यक्ष सर्वेश कटियार ने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देना हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए अभिभावकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में बढ़ती सुविधाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापिका स्तुति मिश्रा एवं सहायक अध्यापिका नेहा त्रिवेदी ने खंड शिक्षा अधिकारी आनंद भूषण को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रामनरेश कटियार ने किया। इस मौके पर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें यदुनाथ सिंह, दिव्या, निर्मल कुमार, मनोज कुमार, रामदास, ज्ञानचंद, अमित कुमार, दिनेश कुमार, जावेद सिंह, प्रतिमा देवी, आरती देवी, रितिका सिंह, रामप्रकाश, सुनील कुमार, रवि सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल रहीं। अंत में अभिभावकों ने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने और शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

एएसपी राजेश कुमार पाण्डेय की विदाई में भावुक हुआ पुलिस परिवार

एएसपी का स्थानांतरण अपर पुलिस उपायुक्त के रूप में कमिश्नरेट गाजियाबाद किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस लाइन में बुधवार को आयोजित विदाई समारोह उस समय गमगीन हो उठा, जब अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पाण्डेय को उनके स्थानांतरण पर विदा किया गया। पूरे कार्यक्रम में सम्मान के साथ-साथ भावनाओं का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया।शासन के निर्देश पर राजेश कुमार पाण्डेय का स्थानांतरण अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) के रूप में कमिश्नरेट गाजियाबाद किया गया है। जनपद में उनके कार्यकाल को सख्त कानून-व्यवस्था, अनुशासन और टीम भावना के लिए याद किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने विदाई संबोधन में कहा कि ÷ऐसे अधिकारी विरले होते हैं, जो अपनी कार्यशैली से पूरी टीम पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं। एसपी ने उन्हें प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ और स्मृति उपहार भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में मौजूद क्षेत्राधिकारी , प्रिया सिंह, संजय सिंह, सौरभ आदि और थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी एक-एक कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए। कई साथियों ने उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि उनका व्यवहार सख्त जरूर था, लेकिन उसमें अपनापन और मार्गदर्शन हमेशा झलकता था। कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया, जब राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि कानपुर देहात मेरे दिल के बेहद करीब रहेगा। यहां की टीम, यहां के लोग और यहां का सहयोग मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। विदाई के दौरान पुलिस लाइन का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। साथी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें घेर लिया, कोई हाथ मिला रहा था तो कोई गले लगकर विदा कर रहा था।

अंत में पूरे पुलिस परिवार ने भारी मन से उन्हें विदा किया और उनके उज्ज्वल भविष्य, सफलता व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

दुबई कनेक्शन वाला आतंकी मॉड्यूल बेनकाब, दो और साजिशकर्ता गिरफ्तार

सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को फंसा रहा था गिरोह, वाहनों में आगजनी और रेलवे ट्रैक उड़ाने की थी साजिश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिजनौर। बिजनौर में दुबई से संचालित एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल का बड़ा खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए दो और साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान समीर उर्फ रूहान और राजूराम गोदारा के रूप में हुई है। पुलिस की मानें तो यह मॉड्यूल बेहद खतरनाक साजिशों को अंजाम देने की तैयारी में था, जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

पुलिस के अनुसार, दुबई में बैठे संदिग्ध आकिब खान के इशारे पर यह नेटवर्क काम कर रहा था। समीर उर्फ रूहान, जो पहले से कई मामलों में फरार चल रहा था, को नजीबाबाद क्षेत्र से दबोचा गया, जबकि उसके साथी राजूराम गोदारा को किरतपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को अपने जाल में फंसा रहा था। व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप बनाकर उन्हें काम और पैसे का लालच दिया जाता था, फिर धीरे-धीरे आपराधिक गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की जाती थी।

आरोपी इंस्टाग्राम लाइव के जरिए हथियारों का प्रदर्शन कर युवाओं को प्रभावित करते थे और उन्हें कट्टरपंथी सोच की ओर धकेलते थे।पुलिस को आरोपियों के मोबाइल फोन से कई आपत्तिजनक वीडियो, हथियारों की तस्वीरें और साजिश से जुड़े अहम डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। इन साक्ष्यों से यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह धार्मिक प्रतीकों वाले वाहनों को निशाना बनाने और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहा था, जिससे बड़े स्तर पर दहशत फैलाने की साजिश थी। गौरतलब है कि इससे पहले 10 अप्रैल को भी इस नेटवर्क से जुड़े दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लगातार हो रही गिरफ्तारियों से साफ है कि पुलिस इस मॉड्यूल की जड़ तक पहुंचने के लिए तेजी से काम कर रही है।एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है और जल्द ही अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी भी की जाएगी। फिलहाल पुलिस की सतर्कता से एक बड़ी साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया है, लेकिन जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की गहराई तक जाकर हर कड़ी को जोड़ने में जुटी हैं, ताकि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

पटरी पर पसरा दर्द : एक लाश ने छीनी पांच जिंदगियां, चीखों से कांप उठा प्रयागराज

☛ कालका एक्सप्रेस के रुकते ही ट्रैक पर उतरे यात्री, दूसरी पटरी पर आई पुरुषोत्तम एक्सप्रेस बनी काल

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। करछना क्षेत्र में बुधवार शाम जो हुआ, उसने हर किसी का दिल दहला दिया। हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग पर पचदेवरा इलाके के पास एक छोटी-सी चूक ने पांच जिंदगियां निगल लीं। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि दर्द और लापरवाही की ऐसी कहानी बन गया, जिसे याद कर लोगों की रूह कांप उठेगी।

शाम के वक्त कालका एक्सप्रेस अपने सामान्य सफर पर थी, तभी चालक की नजर पटरी पर पड़े एक शव पर पड़ी। खतरे को भांपते हुए चालक ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकते ही कई यात्री नीचे उतर आए–कुछ जिज्ञासा में, तो कुछ हालात समझने के लिए। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही पलों में यह जिज्ञासा मातम में बदल जाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही लोग ट्रैक पर खड़े होकर स्थिति देख रहे थे, तभी दूसरी पटरी पर तेज रफ्तार से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस आ पहुंची। ट्रेन का तेज हॉर्न सुनकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हर कोई अपनी जान बचाने के लिए भागने लगा, लेकिन चार लोग समय रहते पटरी से हट नहीं सके और ट्रेन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए और पटरी पर दूर-दूर तक उनके अवशेष बिखर गए। वहीं, एक शव पहले से ही ट्रैक पर पड़ा था, जिससे कुल मृतकों की संख्या पांच हो गई।

इस हृदयविदारक दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गए, कई की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मृतकों में तीन की पहचान हो चुकी है, जबकि दो की शिनाख्त देर रात तक नहीं हो सकी थी। इस हादसे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या थोड़ी-सी सतर्कता कई जिंदगियां बचा सकती थी? घटनास्थल पर पसरा सन्नाटा और परिजनों की चीखें इस त्रासदी की भयावहता को बयां करने के लिए काफी हैं।

नोएडा बवाल के बाद आगरा में साजिश नाकाम

मजदूरों को भड़काने के आरोप में किसान नेता गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। नोएडा में हाल ही में हुए हंगामे के बाद आगरा में भी माहौल बिगाड़ने की साजिश का मामला सामने आया है। लोकल इंटेलीजेंस यूनिट (एलआईयू) की सक्रियता के चलते इस प्रयास को समय रहते नाकाम कर दिया गया। रिपोर्ट के आधार पर सिकंदरा थाना पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन (अटल) के अध्यक्ष अमित चौधरी को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के दौरान परिजनों और पुलिस के बीच काफी नोकझोंक और खींचतान देखने को मिली। जैसे ही इस कार्रवाई की सूचना समर्थकों को मिली, वे थाना परिसर पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा किया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सिकंदरा के औद्योगिक क्षेत्र में अमित चौधरी अपने कुछ साथियों के साथ एक प्रतिष्ठान में पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने प्रतिष्ठान को जबरन बंद कराने की कोशिश की और वहां काम कर रहे मजदूरों को भड़काने का प्रयास किया। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए एलआईयू की टीम पहले से ही सक्रिय थी और लगातार औद्योगिक क्षेत्रों में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान अमित चौधरी की गतिविधियां संदेह के दायरे में आईं और कार्रवाई की गई।पुलिस ने यह भी बताया कि अमित चौधरी पर रंगदारी वसूलने के आरोप भी लगे हैं, हालांकि इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई औपचारिक तहरीर नहीं दी गई है। साक्ष्य के अभाव में पुलिस ने फिलहाल शांतिभंग की धारा में कार्रवाई करते हुए उनका चालान कर दिया और उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भवदीय पब्लिक स्कूल का शानदार रिजल्ट, 100 प्रतिशत सफलता से बढ़ाया मान

ईशान्वी 97प्रति अंक के साथ टॉपर, 25 छात्रों ने 90प्रति से ऊपर अंक हासिल किए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो अयोध्या। सीबीएसई कक्षा 10वीं के परिणाम में भवदीय पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल की। विद्यालय में जश्न का माहौल रहा और मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

ईशान्वी श्रीवास्तव ने 97प्र अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। दक्ष श्रीवास्तव 95.8प्रति के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि सूर्यांश दुबे और सोनाक्षी उपाध्याय ने 95.2प्र अंक लाकर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 25 छात्रों ने 90प्रति से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रधानाचार्य दीपक सिंह पोखरिया ने छात्रों की सफलता को उनकी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में 'जूता राज' चोरी का आरोप या साजिश का खेल?

सोलर पैनल गायब, जेई पर एफआईआर और प्राचार्य कक्ष में धमकियों की बरसात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज इन दिनों इलाज से ज्यादा इल्ज़ाम और इंटिमिडेशन का अड्डा बनता दिख रहा है। सोलर पैनल चोरी के मामले में बिजली विभाग के जेई राजेश कुमार गुप्ता पर एफआईआर दर्ज कर दी गई, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती असल खेल तो प्राचार्य कक्ष के भीतर खेला गया।जेई राजेश गुप्ता का आरोप है कि कैंटीन के एनओसी को लेकर पहले दबाव बनाया गया, और जब उन्होंने नियमों की दुहाई दी तो उन पर चोरी का ठप्पा चस्पा कर दिया गया। हद तो तब हो गई जब डॉक्टर डी.के. सिंह ने कथित तौर पर उन्हें जूता उतारकर मारने और नौकरी से निकलवाने की धमकी दे डाली–वो भी प्राचार्य के सामने, जो पूरे घटनाक्रम में 'मूक दर्शक' बने रहे।जेई ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य से लेकर पावर कॉर्पोरेशन तक शिकायत भेज दी है और पूराकलंदर थाने में तहरीर देकर खुद को निर्दोष बताया है। सवाल सीधा है क्या यह चोरी का मामला है या सिस्टम के भीतर 'दबंगई का सिंडिकेट'? पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन सच किसके साथ खड़ा होगा यह अब भी सबसे बड़ा सवाल है।

तेरहवीं भोज में खूनी खेल, चाकूबाजी से नौ लोग घायल

नशे में धुत युवक का हमला, भीड़ ने भी जमकर पीटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। थाना कैंट क्षेत्र के रेतिया मोहल्ले में देर रात तेरहवीं भोज के दौरान मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया। नशे में धुत एक युवक ने अचानक चाकू निकालकर हमला कर दिया, जिसमें नौ लोग घायल हो गए। घायलों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं, सभी का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

बताया जा रहा है कि पड़ोसियों के बीच पहले से चल रही तनातनी भोज के दौरान बढ़ गई और विवाद हिंसा में बदल गया। हमलावर युवक ने अंधाधुंध चाकू चलाकर दहशत फैला दी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़कर उसकी भी जमकर पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। इलाके में तनाव का माहौल है, पुलिस बल तैनात कर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रेस क्लब को मिलेगा एयरकंडीशनर, ठंडा पानी: महापौर

महापौर ने सुनी पत्रकारों की समस्याएं, मंच पर दिखी बड़ी मौजूदगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने प्रेस क्लब को एसी और शीतल जल उपलब्ध कराने की घोषणा की। भीषण गर्मी के बीच यह ऐलान पत्रकारों के लिए राहत भरा रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने की, जबकि संचालन सचिव जयप्रकाश सिंह ने किया। इस दौरान टी एन तिवारी, आरके सिंह, सुमन गुप्ता, इंद्र भूषण पांडे, उग्रसेन मिश्रा सहित कई वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे। अन्य पत्रकारों में रूपेश श्रीवास्तव, सुबोध श्रीवास्तव, ओम प्रकाश सिंह, अमित मिश्रा, के के मिश्रा, चंद्र मोहन श्रीवास्तव, प्रदीप पाठक, सूर्य नारायण सिंह, अशोक तिवारी, करन प्रजापति, नरेंद्र मिश्रा, गुलजार खान, महेंद्र, शिवम और वैभव सहित सैकड़ों पत्रकारों की उपस्थिति रही। पत्रकारों ने शहर की समस्याएं उठाईं, जिस पर महापौर ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। अब नजर इस पर है कि घोषणा हकीकत बनती है या सिर्फ मंच तक सीमित रहती है।

होर्मुज पर तनाव में नरमी के संकेत, ईरान ने सुरक्षित रास्ते का दिया प्रस्ताव

अब 'इकोनॉमिक वॉर' पर उतरा अमेरिका

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। खाड़ी क्षेत्र में बीते एक महीने से जारी तनाव के बीच अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर राहत के संकेत उभरने लगे हैं। ताजा कूटनीतिक हलचलों में ईरान ने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर नरम रुख दिखाया है। अंतरराष्ट्रीय सूत्रों के मुताबिक, तेहरान ने अमेरिका के सामने एक सशर्त प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत वह ओमान की दिशा वाले समुद्री मार्ग से जहाजों को बिना हमले के खतरे के गुजरने देने पर विचार कर सकता है।

यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में सैन्य टकराव अपने चरम पर पहुंच चुका था और वैश्विक व्यापार, खासकर तेल आपूर्ति, पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि ईरान ने साफ कर दिया है कि यह व्यवस्था केवल तभी लागू होगी जब अमेरिका और उसके सहयोगी देश कुछ शर्तों पर सहमति जताएं। सूत्रों का कहना है कि समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों, निगरानी व्यवस्था और इजरायल से जुड़े जहाजों की आवाजाही जैसे मुद्दे अब भी अनिश्चितता में हैं। यही कारण है कि यह प्रस्ताव फिलहाल 'संभावना' के स्तर पर है, न कि अंतिम समाधान के रूप में।

कूटनीति फिर सक्रिय, वार्ता की उम्मीद: तनाव कम करने के लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोशिशें तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल तेहरान पहुंचा है, जो दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल कराने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले इस्लामाबाद में हुई बातचीत बेनतीजा रही थी, लेकिन अब दूसरे दौर की उम्मीद जताई जा रही है। उधर, अमेरिका की ओर से भी संकेत मिले हैं कि जल्द ही वार्ता का अगला दौर शुरू हो सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बातचीत के रास्ते खुले होने की बात कही है, जिससे कूटनीतिक हल की संभावनाएं फिर से मजबूत हुई हैं।

तेल, बैंकिंग और व्यापार पर शिकंजा

नई रणनीति के तहत अमेरिका न केवल ईरान पर प्रतिबंध कड़े करेगा, बल्कि उन देशों और कंपनियों को भी निशाना बनाएगा जो ईरान के साथ व्यापार कर रहे हैं। इसमें चीन जैसे बड़े तेल खरीदार और संयुक्त अरब अमीरात जैसे क्षेत्रीय व्यापारिक केंद्र भी शामिल हो सकते हैं। 'सेकेंडरी सैंक्शन' के जरिए अमेरिका वैश्विक वित्तीय प्रणाली से ईरान को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। इससे ईरान की तेल आय, बैंकिंग लेन-देन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर सीधा असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर नरमी के संकेत जरूर मिले हैं, लेकिन हालात अभी भी नाजुक हैं। एक ओर कूटनीति उम्मीद जगा रही है, वहीं दूसरी ओर आर्थिक और रणनीतिक दबाव इस संकट को नए रूप में ढाल रहे हैं। आने वाले हफ्ते तय करेंगे कि यह टकराव शांति में बदलेगा या लंबी वैश्विक खींचतान का कारण बनेगा।

होर्मुज का महत्व

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20ब गुजरता है। यहां किसी भी तरह का तनाव सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा कीमतों को प्रभावित करता है। ईरान का नरम रुख वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत का संकेत माना जा रहा है।

अमेरिका की 'इकोनॉमिक वॉर' रणनीति

अमेरिका का फोकस अब आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए ईरान को कमजोर करने पर है। सेकेंडरी सैंक्शन के जरिए वह उन देशों को भी निशाना बनाएगा जो ईरान के साथ व्यापार करते हैं। इससे वैश्विक व्यापार नेटवर्क में तनाव बढ़ सकता है।

सैन्य टकराव से 'इकोनॉमिक वॉर' की ओर झुकाव

करीब एक महीने तक चले सैन्य टकराव के बावजूद अमेरिका ईरान को झुकाने में सफल नहीं हो पाया। मिसाइल हमलों और बमबारी के बाद भी ईरान ने न तो अपने रुख में नरमी दिखाई और न ही किसी बड़े समझौते के संकेत दिए। इसके बाद अब वॉशिंगटन ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अमेरिका अब सीधे सैन्य कार्रवाई के बजाय आर्थिक दबाव के जरिए ईरान को घेरने की तैयारी में है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के हालिया बयान से साफ है कि अब 'हार्ड पावर' की जगह 'इकोनॉमिक पावर' को प्राथमिकता दी जाएगी।

ईरान की रणनीतिक चाल

ईरान का यह प्रस्ताव पूरी तरह रणनीतिक माना जा रहा है। एक ओर वह खुद को जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति के रूप में पेश करना चाहता है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका पर बातचीत के लिए दबाव भी बना रहा है। यह 'डिप्लोमैटिक बैलेंस' की कोशिश है।

आगे क्या होगा ?

आने वाले दिनों में सबसे अहम सवाल यही होगा कि क्या यह कूटनीतिक पहल ठोस समझौते में बदलती है या नहीं। यदि वार्ता सफल होती है तो क्षेत्र में स्थिरता आ सकती है, लेकिन असफलता की स्थिति में तनाव और गहरा सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

- ओमान रूट से जहाजों को सुरक्षित गुजरने की पेशकश, बातचीत पर टिकी शर्तें
- सैन्य दबाव के बाद अब आर्थिक घेराबंदी से झुकाने की तैयारी

- ईरान ने ओमान रूट से जहाजों को सुरक्षित गुजरने का सशर्त प्रस्ताव दिया
- समुद्र में बिछी सुरंगों और सभी देशों के जहाजों पर अभी भी असमंजस
- पाकिस्तान और अन्य देशों की मध्यस्थता से वार्ता की कोशिश तेज
- अमेरिका ने सैन्य रणनीति से हटकर आर्थिक दबाव बढ़ाने की तैयारी की
- सेकेंडरी सैंक्शन के जरिए वैश्विक स्तर पर ईरान को अलग-थलग करने की योजना

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स १२७/८७५, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व ११९/१३, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-२०८०१२ (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/२०२३/८६७६९ ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: ७८०००००९८५३,

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com